पायो जी मैंने राम रतन धन पायो,
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो,
पायो जी मैंने राम रतन धन पायो ॥

वस्तु अमोलक दीनी मेरे सतगुरु,
वस्तु अमोलक दीनी मेरे सतगुरु,
किरपा कर अपनायो ॥ ॥

जनम जनम की पूंजी पाई,
जनम जनम की पूंजी पाई,
जग में सभी खोवायो ॥ ॥

खरच न खुटे, चोर न लुटे,
खरच न खुटे, चोर न लुटे,
दिन-दिन बढ़त सवायो ॥ ॥

सत की नाव खेवटिया सतगुरु,
सत की नाव खेवटिया सतगुरु,
भवसागर तर आयो ॥ ॥

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
मीरा के प्रभु गिरधर नागर,

हरस हरस जश गायो ॥ ॥

Source: https://www.bharattemples.com/payo-ji-mene-ram-ratan-dhan-payo/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw